[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 10032 **L**

Unique Paper Code : 2135000016

Name of the Paper : Contributions of the Indian Knowledge System

Name of the Course : **Common Prog. Group, NEP UGCF 2022**

Semester : VIII

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 90

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer **all** questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. भारतीय ज्ञान परम्परा में दार्शनिक अंतर्दृष्टि को स्पष्ट कीजिए। (18)
   Explain the Philosophical insights in the Indian Knowledge tradition.

अथवा/Or

भारतीय ज्ञान परम्परा के संवर्धन में खगोल विज्ञान के महत्व का वर्णन कीजिए।
Describe the significance of Astronomy in enriching the Indian Knowledge tradition.

2. भारतीय ज्ञान परम्परा के विकास में साहित्यिक कृतियों की भूमिका पर विचार कीजिए। (18)
   Discuss the role of literary works in the development of the Indian Knowledge tradition.

अथवा/Or

भारतीय ज्ञान प्रणाली में वैज्ञानिक और तकनीकी अनुप्रयोग की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए।
Highlight the relevance of scientific and technical applications in the Indian Knowledge system.

P.T.O.

3. आध्यात्मिक प्रासंगिकता की दृष्टि से भारतीय ज्ञान प्रणाली का विवेचन कीजिए। (18)
Analyze the Indian Knowledge System from the perspective of Spiritual relevance.

अथवा/Or

भारतीय ज्ञान प्रणाली के वैश्विक स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Describe the Global Nature of the Indian Knowledge System.

4. समकालीन सन्दर्भों में पारंपरिक ज्ञान को पुनर्जीवित करने में होने वाली समस्याओं का वर्णन कीजिए। (18)
Discuss the challenges of reviving traditional knowledge in contemporary contexts.

अथवा/Or

एक सामंजस्यपूर्ण भविष्य को आकार देने के लिए अतीत को अपनाना उपयुक्त है! स्पष्ट कीजिए।
Explain why embracing the past is essential for shaping a harmonious future.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए: (3×6 =18)
Write an Short notes on any three of the following:

a) वैदिक साहित्य (Vedic Literature)
b) महाभारत (Mahabharata)
c) भगवद्गीता (Bhagavad Gita)
d) अर्थशास्त्र (Arthashastra)
e) योगसूत्र (Yoga Sutras)
f) रामायण (Ramayana)